भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3416

उत्तर देने की तारीख: 15.07.2019

योग शिक्षण

3416. डॉ॰ आलोक कुमार सुमनः

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार द्वारा देश भर के उच्च माध्यमिक विद्यालयों की सभी कक्षाओं के लिए अनिवार्य योग शिक्षण आरंभ करने का कोई प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने योग शिक्षण और योग निदर्शन के लिए स्वायत्तशासी निकायों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए कोई कदम उठाए हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मानव संसाधन विकास मंत्री

(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')

(क) और (ख): शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची का विषय है और अधिकांश स्कूल राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के क्षेत्राधिकार में आते हैं तथा अपने स्कूलों के मामले में निर्णय लेने का अधिकार संबंधित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र सरकार का है।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा-I से XII तक सभी के लिए स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा को अनिवार्य कर दिया है। स्कूलों को यह सलाह दी गई है कि स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा में तीन क्षेत्र अर्थात स्वास्थ्य शिक्षा, शारीरिक शिक्षा और योग शामिल है तथा ये सभी तीन क्षेत्र सर्वांगीण स्वास्थ्य (शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, भावनात्मक, सामाजिक और आध्यात्मिक) को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या फ्रेमवर्क (एनसीएफ), 2005, योग को स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा के एक अभिन्न अंग के रूप में सिफारिश करता है। स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा कक्षा I से X तक एक अनिवार्य विषय और कक्षा XI से XII तक एक वैकल्पिक विषय है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने पहले ही कक्षा I से कक्षा X तक स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा पर एकीकृत पाठ्यचर्या विकसित की है। यह पाठ्यचर्या एनसीईआरटी वेबसाइट www.ncert.nic.in पर उपलब्ध है।

(ग) और (घ): सरकार ने भारत में प्रामाणिक योग प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए विदेशों से योग सीखनेवालों को प्रोत्साहित करने हेतु योग को "स्टडी इन इंडिया" कार्यक्रम में भी शामिल किया है। यूजीसी ने बैंगलुरू में अंतर विश्वविद्यालय केंद्र-योग विज्ञान की स्थापना को अनुमोदित किया है और

जनवरी, 2017 से यूजीसी-नेट में योग को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) विषय के रूप में शुरू किया गया है। इसके अतिरिक्त, देश में योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 09 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में योग विभाग की स्थापना की गई है।

एनसीईआरटी ने देश में विभिन्न स्तरों पर योग ओलपिंयाड का आयोजन किया। एनसीईआरटी, नई दिल्ली में 18 से 20 जून, 2019 को आयोजित राष्ट्रीय योग ओलंपियाड में राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों के स्कूलों, केंद्रीय विद्यालय संगठन (केविस), नवोदय विद्यालय समिति (नविस) और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) स्कूलों ने भाग लिया। समापन समारोह नई दिल्ली में आयोजित किया गया था जिसमें विजेता टीमों को पुरस्कार दिया गया।

सरकार ने मानकीकरण और सुदृढ़ीकरण के लिए व्यक्तियों को प्रमाणपत्र और संस्थाओं को प्रत्यापन प्रदान कर एक योग प्रमाणीकरण बोर्ड (वाईसीबी) की स्थापना की है। यह भारत और अन्य देशों में योग के प्रचार-प्रसार हेतु एक महत्वपूर्ण कदम है। आयुष मंत्रालय की सूचना शिक्षा एवं संचार (आईईसी) योजना के तहत योग के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने और लोगों तक पहुंच बनाने के लिए अनेक गतिविधियां शुरू की जाती हैं। आईईजी गतिविधियों में लोगों के बीच योग के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए टीवी, रेडियो, प्रिंट मीडिया पर कार्यक्रम, सेमिनार, आरोग्य मेले, सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं शामिल हैं।

विदेशों में भारतीय मिशन, भारतीय सांस्कृतिक संपर्क परिषद (आईसीसीआर) और पर्यटन मंत्रालय योग को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक वर्ष अनेक गतिविधियां आयोजित करता है जिसकी विशेषताओं में महत्वपूर्ण स्थल एफिल टावर, टाइम्स स्क्वायर आदि सहित विश्वभर के विभिन्न आइकेनिक शहरों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित सामूहिक योग प्रदर्शन शामिल है।

आयुष मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान (एनआईएन) नामक एक संस्थान योग व प्राकृतिक चिकित्सा को लोकप्रिय बनाने के लिए प्रतिमास औसतन 16 पहुंच कार्यकलापों का आयोजन करता है। इनमें से कुछ आयोजन पुणे के निकटस्थ गांवों में किए जाते है। राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के अधीन राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों को आयुष स्वस्थ्यता केंद्र, जिनका योग एक महत्वपूर्ण संघटक होता है, स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

इसके अतिरिक्त, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के तहत मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) एक स्वायत्त संगठन है। एमडीएनआईवाई योग शिक्षा, प्रशिक्षण, थैरेपी और अनुसंधान और इसके सभी पहलुओं की आयोजना, प्रशिक्षण, संर्वधन और समन्वय के लिए एक महत्वपूर्ण संस्थान है। एमडीएनआईवाई का उद्देश्य लोगों के बीच शास्त्रीय योग के आधार पर योग दर्शनशास्त्र और प्रथाओं की गहन समझ का बढ़ावा देना है।

*****